BA- Philosophy
Exam.-2021

Helpstudentpoint.com

UNIVERSITY OF KOTA
MBS Marg, Swami Vivekanand Nagar,
Kota - 324 005, Rajasthan, India
Website: uok.ac.in

B.A. PART -I- PHILOSOPHY -2020

Scheme:

Two Papers	Min. Pass Marks 72	Max. Marks 200
Paper 1 – Indian Philosophy	3 Hrs. Duration	Marks 100
Paper 2—Ethics : (Indian & Western)	3 Hrs. Duration	Marks 100

PAPER I – INDIAN PHILOSOPHY

Duration : 3 hrs ***Max.Marks-100***

Note : The question paper will contain three sections as under –

Section-A : One compulsory question with 10 parts, having 2 parts from each unit, short answer in 20 words for each part. Total marks : 10

Section-B : 10 questions, 2 questions from each unit, 5 questions to be attempted, taking one from each unit, answer approximately in 250 words. Total marks : 50

Section-C : 04 questions (question may have sub division) covering all units but not more than one question from each unit, descriptive type, answer in about 500 words, 2 questions to be attempted. Total marks : 40

Unit- I

Charvak,-metaphysics , epistemology

Jainism –classification of substance, syadvad, bondage and liberation

Unit- II

Buddhism –noble truths , theory of dependent origination (pratitysamutpad), momentariness (shanikvad), Anatmvad ()

Unit- III

Sankhya-Satkaryvad, Nature of Prakriti and Purusha,

Yoga-Chitta, Eight fold path (ashtang yoga)

Unit- IV

Nayaya-16 Padartha's, Pramanas and their types, Asatkaryvad

Vaisheshik – 7 padartha , atomism (Pramanuvad)

Unit- V

Mimansa- Pramanas and their types

Adwaitvedanta (shankrachary),- world ,Mayavad, Nature of Brahman

Vishishta adwaitvad(Ramanuj)- criticism of mayavad, nature of world and Brahamn

BOOKS

1 An Introduction to Indian Philosophy by D.M. Dutta & S.C. Chatterji,

2. Outline of Indian Philosophy- M.Herianna,

3. Indian Philosophy-Umesh Mishra.

PAPER II- ETHICS: INDIAN & WESTERN

Duration : 3 hrs ***Max.Marks-100***

Note : The question paper will contain three sections as under –

Section-A : One compulsory question with 10 parts, having 2 parts from each unit, short answer in 20 words for each part. Total marks : 10

Section-B : 10 questions, 2 questions from each unit, 5 questions to be attempted, taking one from each unit, answer approximately in 250 words. Total marks : 50

Section-C : 04 questions (question may have sub division) covering all units but not more than one question from each unit, descriptive type, answer in about 500 words, 2 questions to be attempted. Total marks : 40

Helpstudentpoint.com

Unit- I

Nature and scope of Ethics, Greek Ethics.

Unit- II

Hedonism, Utilitarianism (Bertham and Mill)

Unit- III

Evolutionary Ethics (Spencer), Perfectionism (Hegel, Green, Bradley), Kantian Ethics.

Unit- IV

Intuitionism (G.E. Moore), Theories of Punishment, Freedom of will.

Unit- V

Rta, Satya, Pursharth, (Dharma, Artha, Kama, Moksha). Theory of Karma, Geeta- Nishkama Karma Yoga and Svadharma, Gandhi- Satya, Satyagrahya, Sadhya and Sadhan.

BOOKS SUGGESTED :

Ved Prakash Verma-Nitin Shastra Ke Mool Siddhanta.

Bhartiya Neeti Mimansa - Rajveer Singh Shekhawat (Dimple publications, Jaipur)

Helpstudentpoint.com

बी.ए.–भाग प्रथम– दर्शन –शास्त्र 2020

परीक्षा योजना

दो प्रश्न पत्र	न्यूनतम उत्तीर्णांक 72	अधिकतम अंक– 200
प्रथम प्रश्नपत्र–भारतीय दर्शन	समय : 3 घण्टे	अंक 100
द्वितीय प्रश्नपत्र–नीतिशास्त्र (भारतीय एवं पाश्चात्य)	समय : 3 घण्टे	अंक 100

प्रथम प्रश्न पत्र–भारतीय दर्शन

समयावधि– 3 घंटे **पूर्णांक – 100**

नोट :इस प्रश्न पत्र में 03 खण्ड निम्न प्रकार होंगें :

खण्ड अ

इस खण्ड में एक अनिवार्य प्रश्न जिसमें प्रत्येक इकाई से 02 लघु प्रश्न लेते हुए कुल 10 लघु प्रश्न होंगें। प्रत्येक लघु प्रश्न का उत्तर लगभग 20 शब्दों में हो। कुल अंक – 10

खण्ड ब

इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 2 प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगे। प्रत्येक इकाई मे से एक प्रश्न का चयन करते हुए कुल 5 प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न उत्तर लगभग 250 शब्दों में हो। कुल अंक – 50

खण्ड स

इस खण्ड में 4 प्रश्न वर्णनात्मक होंगे। (प्रश्न में भाग भी हो सकते हैं) जो सभी इकाईयों में से दिये जायेंगे किन्तु प्रत्येक इकाइ से एक से अधिक प्रश्न नहीं होगा। 2 प्रश्नों के उत्तर दिये जाने हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में हो।

कुल अंक – 40 **इकाई – प्रथम**

चार्वाक- **तत्वमीमांसा, ज्ञानमीमांसा,**

जैन -**द्रव्य का वर्गीकरण, स्यादवाद , बन्धन मोक्ष**

इकाई – द्वितीय

बौद्ध- **आर्यसत्य, प्रतीत्यसमुत्पाद, क्षणिकवाद, अनात्मवाद**

इकाई – तृतीय

सॉख्य- **सत्कार्यवाद , प्रकृति व पुरुष का स्वरूप, प्रकृति का विकास,**

योग- **चित - मनोविज्ञान, अष्टांग योग**

इकाई – चतुर्थ

न्याय- **16 पदार्थ, प्रमाण एवं प्रकार , असत्कार्यवाद**

वैशेषिक- 7 पदार्थ, परमाणुवाद

इकाई – पंचम

मीमांसा- **प्रमाण एवं उसके प्रकार**

अद्वैतवाद (शंकराचार्य) - जगत, मायावाद, ब्रह्म का स्वरूप

विशिष्टाद्वैतवाद (रामानुज)- मायावाद की आलोचना, जगत, व ब्रह्म का स्वरूप

पाठ्य पुस्तक– भारतीय दर्शन का परिचय– दत्ता एवं चटर्जी
भारतीय दर्शन की रूप रेखा– एम. हिरीयन्ना
भारतीय दर्शन– उमेश मिश्रा

द्वितीय प्रश्न पत्र– नीतिशास्त्र (भारतीय एवं पाश्चात्य)

समावधि– 3 घंटे पूर्णांक–100

नोट : इस प्रश्न पत्र में 03 खण्ड निम्न प्रकार होंगें :

खण्ड अ

इस खण्ड में एक अनिवार्य प्रश्न जिसमें प्रत्येक इकाई से 02 लघु प्रश्न लेते हुए कुल 10 लघु प्रश्न होंगें। प्रत्येक लघु प्रश्न का उत्तर लगभग 20 शब्दों में हो। कुल अंक – 10

खण्ड ब

इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 2 प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगे। प्रत्येक इकाई में से एक प्रश्न का चयन करते हुए कुल 5 प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न उत्तर लगभग 250 शब्दों में हो। कुल अंक – 50

खण्ड स

इस खण्ड में 4 प्रश्न वर्णनात्मक होंगे। (प्रश्न में भाग भी हो सकते हैं) जो सभी इकाईयों में से दिये जायेंगे किन्तु प्रत्येक इकाई से एक से अधिक प्रश्न नहीं होगा। 2 प्रश्नों के उत्तर दिये जाने हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में हो।
कुल अंक – 40

इकाई–प्रथम

नीतिशास्त्र की प्रकृति एवं प्रसार क्षेत्र
यूनानी नीति शास्त्र

इकाई–द्वितीय

सुखवाद
उपयागितावाद (वेन्थम और मिल)

इकाई–तृतीय

विकासात्मक नीतिशास्त्र (स्पेन्सर)
आत्मपूर्णता वाद (हीगल, ग्रीन, ब्रेडले) कांट का नीति दर्शन

इकाई–चतुर्थ

अन्तः प्रज्ञावाद (जी.ई.मूर)
दण्ड विषयक सिद्धान्त, संकल्प की स्वतंत्रता

इकाई–पंचम

ऋित्, सत्य, पुरूषार्थ, (धर्म, अर्थ, काम, मोक्ष), कर्म सिद्धान्त, गीता–निष्काम कर्म योग व स्व धर्म, गॉधी (सत्य, अहिंसा, सत्याग्रह, साध्य व साधन)

पाठ्य पुस्तक–

1. नीतिशास्त्र के मूल सिद्धान्त– वेद प्रकाश वर्मा
2. भारतीय नीति मीमांसा– डा. राजवीर सिंह शेखावत (डिम्पल पब्लिकेशन, जयपुर)

Helpstudentpoint.com